commodities worth Rs. 25 crores either way, under Limited Payments Arrangement. The Commodities to be exported by Bangladesh to India under this Arrangement are listed in the Trade Agreement a copy of which has already been placed in the Parliament Library. The Trade Agreement does not contain any provision for setting up industries by India in Bangladesh.

(b) No, Sir. The Agreement, however, provides that in order to facilitate its implementation, the two Governments shall consult each other as and when necessary and shall review the working of the agreement at the end of 6 months from the date of its conclusion.

China's Offer of Interest-free loans to poor Countries

1355. SHRI GIRIDHAR GOMANGO: Will the Minister of FOREIGN TRADE be pleased to state :

(a) whether Government are aware that China offered interest-free or low-interest loans to poor countries at the United Nations Conference on Trade and Development at Santiago on 3rd May, 1972; and

(b) if so, whether India will also receive such loan from China ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FOREIGN TRADE (SHRI A. C. GEORGE) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

बिहार में पतरातु और बरौनी तापीय बिजली घरों में बिजली उत्पादन में अचानक अवरोध

1356. **श्री कमल मिश्र मधुकर** : क्या **सिंचाई और विद्युत** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान दिल्ली से प्रकाशित होने वाले "हिन्दुस्तान" (हिन्दी) दिनांक 5 मई में "बिहार के बड़े भाग में अंधेरा" शीर्षक से छपे समाचार की ओर दिलाया गया है और यदि हां, तो उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ;

(ख) इसके क्या कारण हैं कि बरौनी एवं पतरातु में अक्सर ऐसी गड़बड़ी होती है ;

(ग) क्या सरकार ने इस प्रकार की घटनाओं की आवृत्ति को रोकने और विद्युत की निरन्तर सप्लाई सुनिश्चित करने के विचार से कोई योजना बनाई है ; और

(घ) यदि हां, तो उसकी रूपरेखा क्या है ?

सिंचाई और विद्युत मन्त्रालय में उपमंत्री (श्री बैजनाथ कुरील): (क) से (घ). जी, हां। उत्पादन यूनिटों के खराब हो जाने के कारण अप्रैल-मई, 1972 के दौरान बिहार राज्य बिजली बोर्ड द्वारा सेवित क्षेत्र में बिजली-संकट आ गया था। अप्रैल, 1972 के दौरान पतरातु ताप-विद्युत केन्द्र के दो बायलर फट गए थे। उसी समय विशेष अनुरक्षण के लिए पतरातु में 50 मेगावाट की एक यूनिट और बरौनी में 15 मेगावाट का एक सेट भी बन्द कर दिया था। इन तथ्यों के कारण उपलब्ध विद्युत-उत्पादन में कमी आ गई और इसके परिणामस्वरूप भारी लोड-रौडिंग करना पड़ा।

बायलर फटने के कारणों की जांच करने के लिए बिहार राज्य बिजली बोर्ड द्वारा श्री एस० बोस की अध्यक्षता में एक सदस्यीय समिति गठित की थी। समिति ने अपने जांच-परिणाम और सिफारिशें प्रस्तुत कर दी हैं। उसकी सिफारिशों को कार्यान्वित करने के लिए बिहार राज्य प्राधिकारी कार्यवाही कर रहे हैं।

बिहार के चम्पारन जिले में रेल-डिब्बों की कमी

1357. **श्री कमल मिश्र मधुकर** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार के चम्पारन जिले में गत 20 महीनों में चूने की ढुलाई के लिये रेल डिब्बे की सप्लाई नहीं किये गये हैं ;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं ;

(ग) चम्पारन जिले में चूने की ढुलाई के लिये प्रति वर्ष कितने रेल डिब्बों की आवश्यकता